

**ऊनक वि.** (तत्.) 1. कम 2 थोड़ा 3. हीन 4. त्रुटिपूर्ण, दोषयुक्त।

**ऊनता स्त्री.** (तत्.) 1. न्यून होने की स्थिति, न्यूनता, कमी, घट जाना 2. हीनता, कमी 3. गुणहीनता, हल्कापन, घटियापन, संकीर्णता, अधमता।

**ऊनना अ.क्रि.** (तत्.) 1. कम होना, थोड़ा होना, त्रुटिपूर्ण होना, घटना, कम पड़ना या कम होना स.क्रि. 2. कम करना, किसी चीज को घटाना, संकीर्ण करना।

**ऊनविंश वि.** (तत्.) [ऊन+विंश] 1. उन्नीस, उन्नीसवाँ पुं. 2. 'उन्नीस' की एक संख्या, या उसका वाचक एक शब्द।

**ऊना वि.** (तद्.) 1. जो थोड़ा हो, न्यून, कम, थोड़ा, छोटा, अल्प 2. तुच्छ, हीन 3. अपूर्ण 4. व्यर्थ पुं. दुःख, रंज, गम, खेद।

**ऊनाई क्रि.वि.** (तत्.) ऊनई, उमडकर, उमड़-धुमड़ कर।

**ऊनित वि.** (तत्.) [ऊन+इत] 1. जिसे कम किया गया हो जैसे- ऊनित जमा राशि 2. कम किया हुआ, घटाया हुआ जैसे- ऊनित पारिश्रमिक।

**ऊनी वि.** (तद्.) ऊन का बना हुआ (वस्त्र आदि)।

**ऊपजना अ.क्रि.** (देश.) उपजना, पैदा होना।

**ऊपर वि.** (तद्.) 1. ऊँचे स्थान पर 2. आकाश की ओर 3. किसी आधार पर जैसे- सिर के ऊपर बाल 4. ऊँची श्रेणी जैसे- ऊपर के लोग हमारा कष्ट क्या जाने 5. विरुद्ध जैसे- उसके ऊपर लांछन लगा है 6. बाहर जैसे- ऊपर से तो साधु लगता है मुहा. ऊपर की आमदनी- वेतन आदि के अतिरिक्त कमाई, घूसखोरी से प्राप्त धन; ऊपर लेना- जिम्मे लेना; ऊपर वाला- भगवान।

**ऊपर तले, ऊपर नीचे क्रि.वि.** (देश.) 1. ऊपर और नीचे, ऊपरी मंजिलें 2. आगे-पीछे जन्मे हुए जैसे- ये दोनों ऊपर-तले के बहन-भाई हैं।

**ऊपरवाला वि.** (देश.) 1. जो ऊपरीभाग पर स्थित हो जैसे- इस घर में ऊपर वाला कक्ष, अतिथि कक्ष है 2. ऊँचे स्थान पर रहने वाला जैसे-

ऊपर वाले व्यक्ति से पूछिये 3. किसी से उच्च पद का अधिकारी जैसे- मेरे से ऊपर वाला अधिकारी भी तो है, पुं. परमात्मा जैसे- दुर्घटना में तो ऊपर वाले ने ही रक्षा की।

**ऊपरी वि.** (तद्.) 1. ऊपर का 2. बाहरी, दिखाऊ 3. औपचारिक 4. सतही 5. प्रेत बाधा से युक्त 6. फुटकर 7. अवैध जैसे- ऊपरी आमदनी।

**ऊब स्त्री.** (तद्.) कुछ काल तक निरंतर एक ही अवस्था में रहने से होने वाली चित्त की व्याकुलता, उद्वेग, घबड़ाहट, बोरियत।

**ऊबट पुं./वि.** (देश.) अटपटा रास्ता, कठिन मार्ग, ऊँचा-नीचा, असमतल, टेढ़ा-मेढ़ा मार्ग वि. ऊँचा नीचा, ऊबड़-खाबड़ मार्ग से भटका हुआ, पथ भ्रष्ट।

**ऊबड़-खाबड़ वि.** (देश.) ऊँचा-नीचा, अटपटा, असमतल।

**ऊबना अ.क्रि.** (तद्.) 1. उकताना 2. अकुलाना, घबड़ाना।

**ऊबर पुं.** (तद्.) (हि.उबार) किसी संकट से उद्धार, रक्षा, बचाव, उबार जैसे- 1. सब विधि ऊबर करे जगदीश 2. पानी गए न ऊबरे मोती मानुष चून, उभार, किसी चीज का ऊपर उठना, उभरा हुआ।

**ऊभ वि.** (देश.) 1. ऊँचा, उठा हुआ, उभरा हुआ स्त्री. 2. ऊब, उद्वेग, खिन्नता, उमंग, बेचैनी 3. व्याकुलता 4. उमस, गर्मी।

**ऊभचूम स्त्री.** (देश.) 1. डूबना-उतराना 2. आशा-निराशा के बीच की स्थिति प्रयो. आनंद और आश्चर्य से ऊभ-चूम तुलसी मानो ठगे-से देखते रह गए- मानस का हंस- अ.ला. नागर।

**ऊरा वि.** (देश.) अधूरा, जो पूर्ण न हो जैसे- पढ़ा तो पूरा पर समझ सका ऊरा।

**ऊरु पुं.** (तत्.) जंघा, रान, जांघ।

**ऊरुजन्मा वि.** (तत्.) [ऊरु+जन्म] 1. जिसका जन्म जाँघ से हुआ हो, जाँघ से उत्पन्न। 2. ऊरुसम्भव पुं. वैश्य।

**ऊरुजन्या/ऊरुज/ऊरुसंभव वि.** (तत्.) 1. ऊरु, जांघ से उत्पन्न 2. वैश्य वर्ण (ऊरु तदस्य यद्वैश्यः) 3. गंगा नदी।